भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 108
दिनांक 02 **फरवरी**, 2023

तेल और गैस का उत्पादन

†108. **श्री नलीन कुमार कटील**:
श्री डी.के. सुरेश:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में मौजूद सभी तेल और गैस क्षेत्रों की उत्पादन क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि उनमें से कई बहुत पुराने तेल और गैस क्षेत्र हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार देश में नए तेल और गैस क्षेत्रों का पता लगाने के लिए कोई कदम उठा रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) दिनांक 01.04.2022 की स्थिति के अनुसार अनुमान है कि देश में लगभग 652 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) तेल और 1139 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) प्राकृतिक गैस का निकासी योग्य भंडार है। पिछले पांच वर्षों के दौरान कच्चे तेल का औसत उत्पादन 32.44 एमएमटी और प्राकृतिक गैस का औसत उत्पादन 31.88 बीसीएम था।

(ख) तेल और गैस का उत्पादन करने वाले प्रमुख ब्लॉकों/क्लस्टरों/क्षेत्रों का औसत उत्पादन काल 28 वर्ष का है। ऐसे तेल और गैस के ब्लॉकों/क्लस्टरों/क्षेत्रों का ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

(ग) और (घ) तेल और गैस का अन्वेषण और उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न दीर्घकालिक और अल्पकालिक नीतिगत पहलें की गई हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:-

i. खोजे गए लघु क्षेत्र संबंधी नीति, 2015
ii. हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति, 2016
iii. उत्पादन हिस्सेदारी संविदाओं की अवधि बढ़ाए जाने के लिए नीति, 2016 और 2017
iv. कोल बेड मिथेन के शीघ्र मौद्रीकरण के लिए नीति, 2017
v. नेशनल डेटा रिपोज़िटरी की स्थापना, 2017
vi. राष्ट्रीय भूक्म्मीय कार्यक्रम के तहत तलछटीय बेसिनों में गैर मूल्यांकित क्षेत्रों का मूल्यांकन, 2017
vii. हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पुन: आकलन, 2017
viii तेल और गैस के लिए वर्धित निकासी पद्धतियों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने संबंधी नीति, 2018
ix कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और इसकी सहायक क्म नियों को आबंटित कोयला खनन पट्टा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से कोल बेड मिथेन (सीबीएम) के अन्वेषण और दोहन के लिए नीतिगत ढांचा, 2018
x. मौजूदा उत्पादन हिस्सेदारी संविदाओं (पीएससीज), कोल बेड मिथेन (सीबीएम) संविदाओं और नामांकन क्षेत्रों के तहत गैर-पारंपरिक हाइड्रोकार्बनों के अन्वेषण और दोहन के लिए नीतिगत ढांचा 2018
xi. तेल और गैस का घरेलू अन्वेषण और उत्पादन बढ़ाने के लिए हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंस नीति में सुधार, 2019

2. **अल्पकालिक और मध्यकालिक नीतिगत पहलें**:

i. मौजूदा खोजों का शीघ्र मौद्रीकरण।
ii. उन्नत तेल निकासी (आईओआर) तथा वर्धित तेल निकासी (ईओआर) तकनीकों के कार्यान्वयन द्वारा निकासी में सुधार।
iii. रु ण कूपों का पुनरु ार।
iv. कूपों की इनफिल ड्रिलिंग।
v. सुविधाओं और अन्य बुनियादी सुविधाओं का नवीकरण।

vi. सेवा संविदा और आउटसोसिग के माध्यम से अभितट में छोटी और सीमांत खोजों का मौद्रीकरण।

vii. मौजूदा परिपक्व क्षेत्रों का पुनर्विकास और नए क्षेत्रों/सीमांत क्षेत्रों का विकास।

viii. चुनिंदा क्षेत्रों के संबंध में उपयुक्त प्रौद्योगिकियों को शामिल करना।

ix. उत्पादन संवर्धन संविदाओं का कार्यान्वयन।

x. आईओआर/ईओआर तकनीकों का कार्यान्वयन।

अनुलग्नक

(लोक सभा अतारांकित प्र न सं. 108 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक)

पुराने क्षेत्रों/कलस्टर के ब्यौरे

क्रम सं.	**क्लस्टर / क्षेत्र**	**प्रचालक**	**उत्पादन शुरू करने का वर्ष**
1	मुंबई हाई	ओएनजीसी	1976
2	आरजे-ओएन-90/1	सीईआईएल/वेदांता	2009-10
3	केजी -डीडब्ल्यूएन-98/3	आरआईएल	2009-10
4	बसीन और एसबी 11	ओएनजीसी	1988
5	दमन/ता ती ब्लॉक	ओएनजीसी	2009
6	वसई पूर्व	ओएनजीसी	2008
7	जीआर चांदमारी क्षेत्र	ओआईएल	2003
8	हीरा और द ि ण हीरा	ओएनजीसी	1984
9	पन्ना-मुक्ता	ओएनजीसी	1986
10	जीआर. हापजन फील्ड	ओआईएल	1988
11	एन बी प्रसाद (डी-1)	ओएनजीसी	2006
12	नीलम	ओएनजीसी	1990
13	गांधार	ओएनजीसी	1986
14	रावा	सीईआईएल/वेदांता	1994-95
15	केंद्रीय क्षेत्र	ओआईएल	1995
16	अगरतला डोम	ओएनजीसी	2000
17	क्लस्टर-7	ओएनजीसी	2013
18	उत्तर काड़ी	ओएनजीसी	1969
19	बी-193 क्लस्टर	ओएनजीसी	2013
20	कोनाबन	ओएनजीसी	2000
21	कंजिरांगुडी	ओएनजीसी	2000
22	बी-55 और बी 55 द क्षण	ओएनजीसी	1999
23	रत्ना और आर-सीरीज़	ओएनजीसी	2018
24	सीबी-ओएस/2	सीईआईएल	2002-03
25	कलोल	ओएनजीसी	1964
26	गेल्की + उत्तर गेल्की	ओएनजीसी	1970

27	संथाल	ओएनजीसी	1974
28	जीआर. जोराजन क्षेत्र	ओआईएल	1970
29	एएपी-ओएन-94/1	एचओईसी	2017-18
30	लकवा लक्ष्मी + कुअरगाँव	ओएनजीसी	1968

उपर्युक्त क्लस्टरों/क्षेत्रों का औसत उत्पादन काल 28 वर्ष है

****